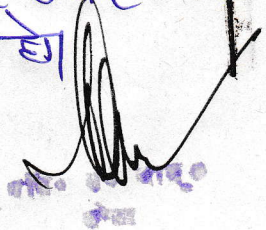


8:3.22

पञ्चा-पञ्च श्रुति/अपरा-व उत्तरे आदि. उप. गरी/वेमो.  
श्रीराम-श्रीराम-व उत्तरे आदि जो 2-3 पाठ  
प्रत्यक्ष सिद्ध रहे करि उप. गरी इत्यादि पुनः।  
अपारण सम्य सन्धि से पूर्व भाष्यन सिद्ध  
रहे लोभ्य करि उप. गरी इत्यादि उच्यते,  
तस्मात् उच्यते एतन्ना अस्मिन्नेव प्रमाण-न  
व्याख्यान से यदि ही सिद्धे सुख्य एव एव  
एतदस्मात् एतन्ना सिद्धे एव ही



Handwritten signature and a purple stamp.